सुसाध्य स्तन स्वास्थ्य समस्याएं
स्तन पुटी

प्रीति (परिवर्तित नाम), एक 40 वर्ष की महिला को अपने बायें स्तन में अचानक एक गांठ दिखाई दी।

स्तन

सौजन्य सेः ब्रेस्ट कैंसर केयर, यूके

चूचुक

सौजन्य सेः ब्रेस्ट कैंसर केयर, यूके

स्तन अल्सर (पुटी) क्या होती है

दुग्धवाहिकाएं (चूचुक तक दूध पहुंचाने वाली नलिकाएं) और पिण्डिकाएं (दूध-उत्पन्न करने वाली ग्रंथियां) जो वसायुक्त व सहायक ऊतकों से घिरी होती है, उसे स्तन कहते हैं। कभी-कभी स्तन ऊतकों में तरल पदार्थ से भरी हुई गुहा विकसित हो जाती है। यही स्तन पुटी या अल्सर होती है। यह स्तन की सबसे सामान्य सुसाध्य (कैंसरमुक्त गांठ) होती है।

यह कैसे उत्पन्न होती है और किस उम्र में होना आम बात है

माना जाता है कि जिस तरह प्राकृतिक रूप से स्तन बढ़ते हैं और परिवर्तन होते हैं उसी अनुसार अल्सर भी विकसित होती है। यद्यपि स्तन पुटी किसी भी उम्र की महिला में विकसित हो सकती है, लेकिन ऐसी महिलाएं जो 35 से अधिक की होने पर भी रजोनिवृत्ति की स्थिति तक नहीं पहुंच पायी है, तो उन्हें यह अल्सर अधिकांश होता है। महिला रजोनिवृत्ति की स्थिति तक पहुंचने से पहले यह रोग बार-बार हो सकता है और कभी-कभी बंद हो जाता है या इसके बाद बार-बार नहीं होता है। हालांकि, ऐसे महिलाएं जो रजोनिवृत्ति के पश्चात हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एचआरटी) ले रही है, उन्हें भी अल्सर हो सकता है।

यदि पुटी त्वचा सतह के निकट रहती है तो मुलायम होती है, और स्तन ऊतकों में गहराई पर होने पर कठोर गांठ की तरह बन जाती है। अल्सर स्तन में कहीं भी विकसित हो सकता है, लेकिन ज्यादातर ऊपरी आधे भाग में पाया जाता है। कुछ महिलाओं में पुटी तकलीफदेय व अत्यधिक दर्दनाक हो सकती है, और मासिकधर्म प्रारंभ होने से पहले अधिक बड़ी, और पीड़ादायक व मुलायम हो सकती है।

एक या दोनों स्तनों में-एक या एक से अधिक पुटी विकसित होना सामान्य बात होती है-और यह चिंताजनक नहीं होती है। अल्सर से पीड़ित ऐसे कई महिलाएं हैं जिन्हें इनके बारे में पता ही नहीं चलता है।

इसका कैसे पता लगायें

आमतौर पर, महिला को रातो रात अपने स्तन में गांठ दिखाई देती है। स्तन में कभी-कभी गांठ की तरह पुटी दिखाई देती है, या कभी-कभी स्तन परीक्षण या नियमित स्तन स्क्रीनिंग कराते समय इसका पता लग सकता है।

विशेषज्ञ से सलाह लेना आवश्यक है और ट्रिपल परीक्षण में सूचित तीन विभिन्न परीक्षण कराना अनिवार्य है, ताकि इसका सुनिश्चित निदान किया सकें।

तीन परीक्षण है-चिकित्सीय स्तन परीक्षण, मैमोग्राम (स्तन का एक्स-रे) और अल्ट्रासाउण्ड स्कैन (जो उच्च आवृत्ति ध्वनि तरंगों के इस्तेमाल से स्तन का चित्र बनाती है) और यदि आवश्यक हो तो अल्ट्रासाउण्ड निर्देशित पुटी से तरल पदार्थ का एस्पीरेशन भी किया जा सकता है। यदि यह तरल पदार्थ विशेष रूप से रक्तयुक्त हो तो इसे परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में भेज सकते हैं, क्योंकि एस्पीरेट में रक्तयुक्त तरल पदार्थ पाया जाता है तो स्तन कैंसर होने का खतरा हो सकता है।

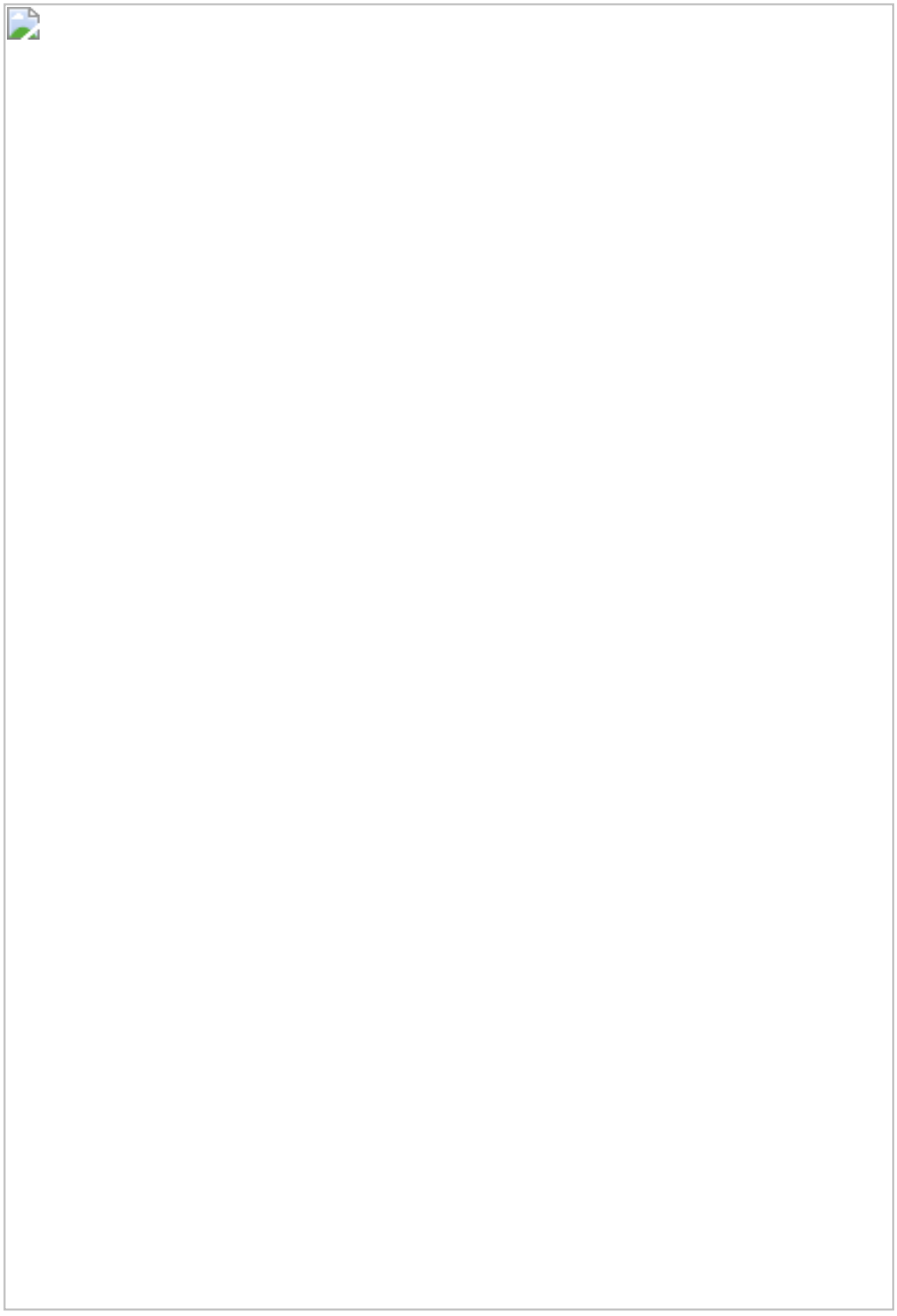

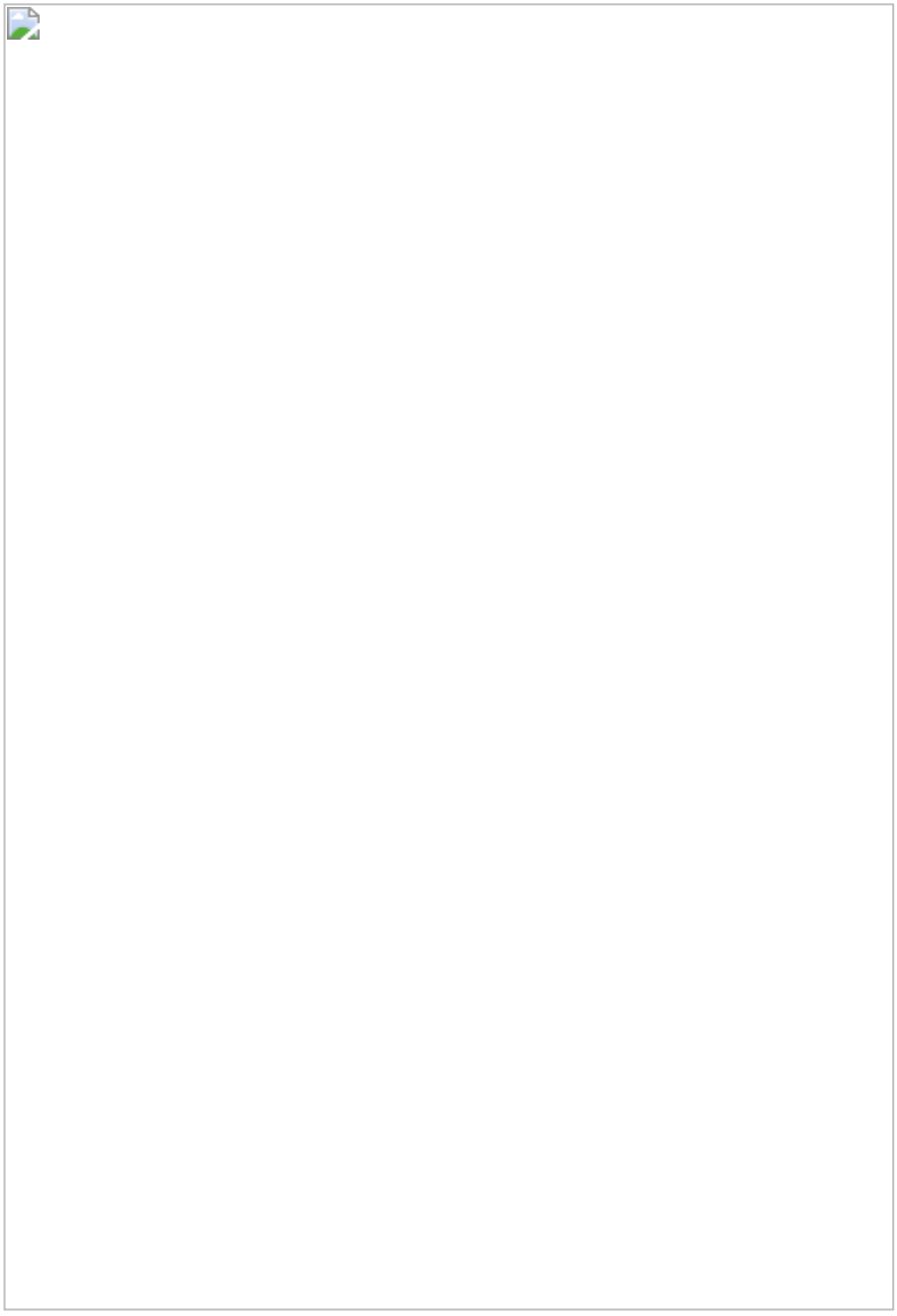

रेडियोलोजिस्ट सर्जन पैथोलोजिस्ट

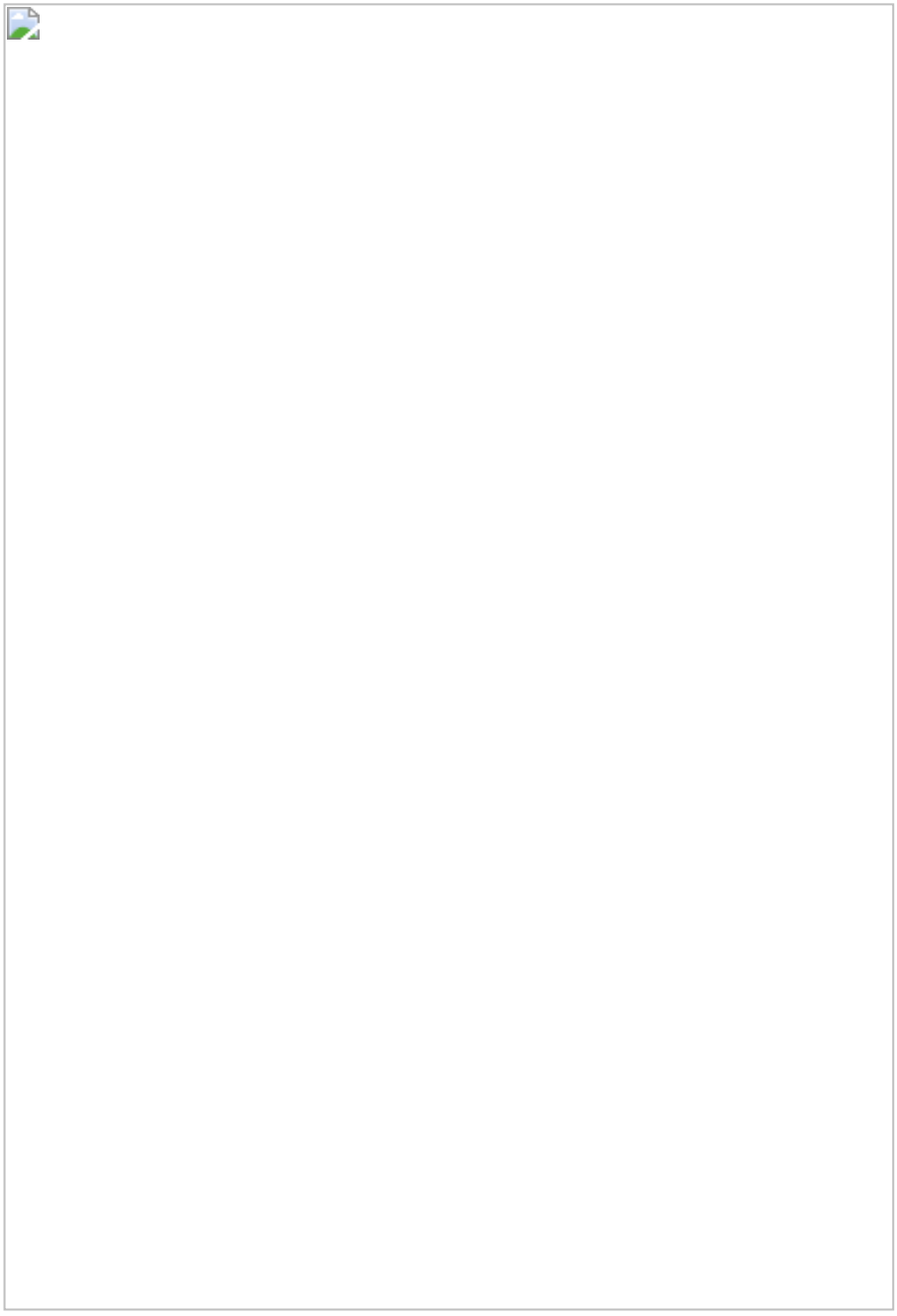

कई पटी- मैमोग्राम

सौजन्य सेः केआईएमएस- उषालक्ष्मी स्तन रोग निदान सेंटर, हैदराबाद

www.breastcancerindia.org

क्या पुटी को हमेशा सुसाध्य (हानिरहित) माना जाता है

अधिकांश पुटिकाएं सुसाध्य (कैंसरमुक्त) होती है और इससे स्तन कैंसर होने का कोई खतरा नहीं होता है। हालांकि, कुछ पुटिकाओं से कैंसर (इन्ट्रासिस्टिक कैंसर) हो सकता है। सिस्ट से रक्तयुक्त एस्परेट की सावधानीपूवर्क जाँच करनी होती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सकें कि इससे कोई खतरा तो नहीं है।

स्तन अल्सर (पुटी) को कैसे नियंत्रित करें

यदि ट्रिपल परीक्षण से सामान्य पुटी की मौजूदगी साबित हो जाती है, तो उस महिला को दिलासा दिलायें कि यह गांठ कैंसर नहीं है और न ही इससे कैंसर होगा। कई पुटिका स्वतः ही मिट जाती है इसलिए यह चिंताजनक बात नहीं होती है। अधिकांश स्तन पुटिकाओं को एस्पीरेट करना जरूरी नहीं होता है। पुटिकाओं को निकालने के लिए सर्जरी करना आवश्यक नहीं है।

यदि पुटी बड़ी है और तकलीफदेय है, तो अल्ट्रासाउण्ड के निर्देशानुसार या इसके बिना बारीक सूई व सिरिंज के इस्तेमाल से तरल पदार्थ को निकाला जा सकता है।

एकबार तरल पदार्थ निकल जाने पर, पुटिकाएं अपने-आप ही गायब हो जाती है। पुटी से निकलने वाला तरल पदार्थ साफ व गहरे रंग का हो सकता है।

यदि स्तन अल्ट्रासाउण्ड में इन्ट्रासिस्टिक मास दिखाई देता है, तो इन्ट्रासिस्टिक कैंसर की उपस्थिति के निवारण के लिए इन्ट्रासिस्टिक मास का कोर नीडल बायोप्सी करने के अतिरिक्त, पुटी के तरल पदार्थ को एस्परेट करके, कोशिका-विज्ञान प्रयोगशाला में भेजना होगा।

हालांकि, यह अवश्य याद रखें कि इन्ट्रासिस्टिक कैंसर दुर्लभ पाये जाते हैं और अल्सर से पीड़ित अधिकांश महिलाओं को आश्वासन देना जरूरी है।

क्या एस्परेशन के बाद पुटी दुबारा हो सकती है

पुटी दुबारा हो सकती है, या किसी महिला में नये पुटी विकसित हो सकते हैं। यह अनुमान न लगायें कि पुटी दुबारा नहीं हो सकती है। इसकी जाँच व पुष्टि के लिए स्पेशलिस्ट से परामर्श करना आवश्यक है। पुटी का उपचार हर बार एक जैसा होता है।

क्या अल्सर के निदान के बाद जाँच कराना आवश्यक है

यदि पुटी के तरल पदार्थ को निकाल दिया है, तो उस महिला को कुछ सप्ताह के अंतर्गत स्पेशलिस्ट को दिखाकर यह पता लगाना आवश्यक होता है कि यह दुबारा न भर जायें। फोलो-अप जाँच विजिट के दौरान स्तन अल्ट्रासाउण्ड करायें।